LOK SABHA

Tuesday, 19th November, 1957

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

प्रबन्ध में श्रमिकों का भाग लेना

*२३८ { श्री विभूति मिश्र
श्री न० रा० मुनिस्वामी :
श्री कोडियान :

क्या श्रम और नियोजन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने कारखानों के प्रबन्ध मे श्रमिको के भाग लेने को प्रोत्साहित करने के लिये विभिन्न राज्य सरकारों के पास कोई योजना भेजी है या उन्हे कोई निदेश दिये है ;

(ख) यदि हां, तो प्रत्येक राज्य में ऐसे कौन-कौन से कारखाने है जिनमे श्रमिकों को इस प्रकार की सुविधाये अब तक प्राप्त हो चुकी हैं ;

(ग) इस प्रकार के प्रबन्ध का उत्पादन पर क्या प्रभाव पड़ा है; और

(घ) इससे मालिक मजदूरों के सम्बन्धों मे कहां तक सुधार हुआ है?

श्रम और रोजगार तथा योजना मंत्री के संसदीय सचिव (श्री ल० ना० मिश्र) : (क) तथा (ख). कर्मचारियों को प्रबंध में शामिल करने के लिये नियुक्त की गई उप समिति ने सरकारी और गैर-सरकारी क्षेत्रों के ५० कारखानों इत्यादि में एक योजना परीक्षण के रूप मे चालू करने की सिफारिश की है। इस काम के लिये केन्द्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों और उद्योगपतियों के संघों से उद्योगों के नाम मांगे गये हैं।

(ग) तथा (घ). प्रश्न नहीं उठते।

Shri Kodiyan: It may be read in English also.

Shri L. N. Mishra: (a) and (b). The Sub-Committee on Workers Participation in Management has recommended the introduction of a scheme of participation on a trial basis in 50 industrial undertakings both in the public & private sector. Central Ministries, State Governments and employers' organisations have been requested to furnish names of units for this purpose.

(c) and (d). Does not arise.

श्री विभूति मिश्र : मैं जानना चाहता हूं कि क्या सरकार ने कोई सुनिश्चित योजना निर्धारित की है और समय निश्चित किया है कि इतने दिनों मे प्राइवेट सैक्टर और पब्लिक सैक्टर दोनों के प्रबन्ध मे मजदूरों को हक दिया जायगा ?

श्री ल० ना० मिश्र : इस सम्बन्ध मे एक कार्यक्रम बनाया गया है, जिस के अनुसार एक महीने के भीतर उन लोगों को नाम दे देना था और दिसम्बर महीने में एक छोटा सा सैमिनार एक हफ्ते के लिए चलाया जायगा। आशा है कि वर्ष के अन्त तक यह चीज चालू हो जायेगी।

श्री विभूति मिश्र : क्या सरकार प्राईवेट और पब्लिक सैक्टर दोनों को इस बारे में हाथ में ले रही है या प्राईवेट सैक्टर को ले लेगी और पब्लिक सैक्टर को छोड़ देगी या पब्लिक सैक्टर को ले लेगी या प्राईवेट सैक्टर को छोड़ देगी?

० मिश्र : दोनों सैक्टरों को लेगी। प्राईवेट और पब्लिक सैक्टर दोनों में इस योजना को चलाया जायगा।

Shri N. R. Munisamy: May I know whether any formula has been evolved for certain factories with a view to make the workers eligible for participation in the management?

Shri L. N. Mishra: Some definition was worked out by a sub-committee appointed by the Labour Conference and selection of industries is being based on that very formula.

Shri Kodiyan: What procedure do the Government propose to adopt in selecting the representatives of labour for participation in the management?

Shri L. N. Mishra: The labour union of the area has to give the names. The employers also have to give their names.

Shri S. M. Banerjee: May I know the ideals on which the labour is likery to be selected under this scheme?

Shri L. N. Mishra: I would refer the hon. Member to the proceedings of the Labour Conference where this matter was discussed regarding consultation. There are also the proceedings of the Sub-Committee wherein the ideals are stated on which labour is to be consulted.

Shri N. R. Munisamy: In the formula referred to, may I know whether there is any limitation about the investment of the firm or the number of workers?

The Deputy Minister of Labour (Shri Abid Ali): All the details were placed on the Table of the House on 29th May 1957. Hon. Member will find all particulars there.

Cosmic Ray Research Station

***239. Shri D. C. Sharma**: Will the **Prime Minister** be pleased to state the progress so far made with regard to the setting up of a Cosmic Ray Research Station at Gulmarg?

The Prime Minister and Minister of External Affairs (Shri Jawaharlal Nehru): Architects have been appointed for preparing drawings and designs and for working out the detailed cost of the base laboratory at Gulmarg. Arrangements are also being made for the survey of an aerial wire ropeway, which will connect the base and high level laboratories.

Shri D. C. Sharma: May I know the approximate time that will be taken for the completion of this laboratory?

Shri Jawaharlal Nehru: I can say that this matter has been dealt with by some Czechoslovakian engineers. They were to have come here in September this year. But, for some reason which I am not aware, they have not yet come here to give us help There is no point in their coming here now because in the winter season it is difficult to do anything in that high altitude. Presumably they will come in spring.

श्री भक्त दर्शन : क्या मैं जान सकता हूं कि इस योजना पर कुल कितना खर्चा आने वाला है, और भारत सरकार उस को वहन करेगी या काश्मीर सरकार भी उस में हिस्सा बंटा रही है?

श्री जवाहर लाल नेहरू : इस सवाल का जवाब में पहले दे चुका था? यह खर्चा ठीक ठीक नही बताया जा सकता है, लेकिन ख्याल यह है कि गुलमर्ग मे जो बेस लैबारेटरी होगी, उस में दो लाख रुपए लगेंगे, खिलनमर्ग में भी दो लाख रुपए लगेंगे और रोप-रेलवे मे, जो कि शायद टंगमर्ग से गुलमर्ग, गुलमर्ग से खिलनमर्ग और खिलनमर्ग से ऊपर तक बनेगी, शायद नौ लाख रुपए लगेंगे। अन्दाजा यह है कि तेरह लाख रुपए लगेंगे। यह सिर्फ गवर्नमेंट आफ इंडिया की लेबारेटरीज वगैरह के लिए है, यह इस वक्त ठीक नहीं है, क्योंकि वे और कामों में भी आ सकती हैं और आयेंगी भी। टूरिस्ट भी आ सकते हैं। विंटर स्पोर्ट्स के लिए लोग आ सकते हैं। हालांकि असल काम यह होगा कि